Evincepub
Publishing

Published by

Evincepub Publishing

Shivam Complex, Bilaspur, Chhattisgarh 495009

Ph.: +91-9171810321

E-Mail: publish@evincepub.com

Website: www.evincepub.com

All rights reserved. The author of this book is solely responsible and liable for its content including but not limited to the views, representations, descriptions, statements, information, opinions and references (content). The content of this book shall not constitute or be construed or deemed to reflect the opinion or expression of the publisher or editor. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or any means: - electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise- without the prior written permission of the author and publisher.

First Edition: 2026

ISBN:978-93-7335-094-3

MRP: 463 INR

Publication Year: 2026

Copyright ©Dr. Prashant Kumar, Dr. Ravi Kant Saral &

Dr. Vinod Kumar Yadav

This book is also available on;

Amazon, Flipkart, Evincepub.com and Kindle

Challenges of the 21st Century & Teacher

Dr. Prashant Kumar

Dr. Ravi Kant Saral

Dr.Vinod Kumar Yadav

ACKNOWLEDGEMNETS

We express our sincere gratitude to all educators, researchers, academic colleagues, and students whose insights and experiences have inspired this book. Their dedication to advancing education in a rapidly changing world provided valuable perspectives that shaped our work. We are thankful to our respective institutions for their support and encouragement throughout this project. Special appreciation is extended to our families and well-wishers for their patience, understanding, and constant motivation. We also acknowledge the publisher and editorial team for their guidance and assistance in bringing this book to publication. Their contributions have been invaluable to this endeavor.

***

TABLE OF CONTENTS

Section A : Digital Transformation 1

Chapter 1: AI & Automation in Education 2
Dr. Manpreet Kaur

Chapter 2: Privacy-Preserving Machine Learning: Techniques and Challenges 18
Dr. Inderjit Kaur

Chapter 3: When Machines Enter The Classroom: Rethinking What Teachers Do, Who They Are, And Why It Matters 26
Mr. Shoubhanik Saha

Chapter 4: Hybrid and Blended Learning Challenges of 21st Century and Teacher 40
Dr. Deepa Rana

Chapter 5: Technological Integration in Education 54
Balram Tonk

Chapter 6: AI and Automation in Education: Role, Challenges, and Implications For 21st Century Teachers 74
Ram Janki

Chapter 7: Reimagining Teaching and Learning: Hybrid and Blended Learning in the Digital Age 83
Dr. Shail Dhaka

Chapter 8: Lifelong Learning and Teacher Development 98
Ms. Sawa Javed

Section B: Socio-Emotional Aspects 110

Chapter 9 : 21वीं सदी में समावेशी शिक्षा और शिक्षक की चुनौतियाँ 111
Dr. Rakesh Kumar

Chapter 10: Cultural Diversity in a Globalized World Challenges & Opportunities 126
Rahul Kumar, Dipakshi Sharnma

Chapter 11: Empowering Every Learner in The 21st Century: Teachers' Role in Promoting Educational Equity and Inclusion 146
Kaberi Kumari Padhi

Chapter 12: Mental Health and Well-Being 154
Ms. Minakshi Breja

Chapter 13: 21st Century Challenges, Parental Pressure And The Role Of Teachers In Safeguarding Adolescent Mental Health And Well-Being: An Indian Knowledge Systems 166

Perspective
Chinmayee Behera

Chapter 14:वैश्वीकरण और सांस्कृतिक विविधता: अवसर, चुनौतियाँ एवं सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों का अध्ययन 190
डॉ. अलका शर्मा, विजयलक्ष्मी शर्मा

Chapter 15: Addressing Digital Burnout and Prioritizing Teacher-Student Wellbeing in a Hyper-Connected Era 198
Zulphikar Ali, Bhupendra Chauhan, MD Arif Naseer

Section C: Policy & Pedagogy 216

Chapter 16: Critical Thinking and Problem-Solving Skills for Teachers in Ayurv 217
Prof. (Dr.) Asokan V, Dr. Manjula. K

Chapter 17: Policy and Governance Frameworks, Principles, and Emerging Paradigms in Contemporary Systems 229
Dr. Somprabh Dubey, Riya Namdev, Palak Singhal

Chapter 18:आधुनिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षक की भूमिका एवं समसामयिक चुनौतियाँ 246
प्रो. (डॉ.) प्रशान्त कुमार

Chapter 19: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का भारतीय 253

CHAPTER 9

21वींसदीमेंसमावेशीशिक्षाऔरशिक्षककीचुनौतियाँ

Dr. Rakesh Kumar

Assistant professor

Integal University, Lucknow

Email id -rakeshk@iul.ac.in

सारांश

21वीं सदी में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, जहाँ समावेशिता (Inclusion), समानता (Equity) और गुणवत्ता (Quality) को विशेष महत्व दिया जा रहा है। समावेशी शिक्षा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी विद्यार्थी - चाहे वे किसी भी सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक या शारीरिक-मानसिक पृष्ठभूमि से हों - एक समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकें। इस अध्याय में 21वीं सदी के संदर्भ में समावेशी शिक्षा की अवधारणा, इसके उद्देश्य, तथा शिक्षकों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों का गहन विश्लेषण किया गया है। साथ ही, इन चुनौतियों के समाधान हेतु व्यावहारिक उपायों और नीतिगत सुझावों को भी प्रस्तुत किया गया है। अध्ययन से स्पष्ट होता है कि समावेशी शिक्षा की सफलता में शिक्षक की भूमिका केंद्रीय और निर्णायक है, जिसके लिए उन्हें तकनीकी, शैक्षणिक और भावनात्मक रूप से सशक्त बनाना आवश्यक है (UNESCO, 2005; NEP, 2020)।

1. प्रस्तावना

21वीं सदी को ज्ञान, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और वैश्वीकरण की सदी के रूप में जाना जाता है। इस युग में शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह व्यक्तित्व विकास, सामाजिक समरसता और जीवन कौशल के विकास का प्रमुख साधन बन

गई है। आधुनिक समाज में विविधता (diversity) एक सामान्य विशेषता है - कक्षा में विभिन्न सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, भाषाई तथा शारीरिक-मानसिक पृष्ठभूमि के विद्यार्थी उपस्थित होते हैं। ऐसे में शिक्षा का उद्देश्य केवल कुछ चुनिंदा विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि इसे सभी के लिए सुलभ और समावेशी बनाना आवश्यक हो गया है।

समावेशी शिक्षा इसी आवश्यकता का परिणाम है। यह शिक्षा प्रणाली सभी विद्यार्थियों को एक साथ, समान अवसरों के साथ सीखने का अवसर प्रदान करती है। इसका मूल सिद्धांत है - **"कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे"**। 21वीं सदी में समावेशी शिक्षा को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा मिला है, विशेषकर UNESCO और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा (UNESCO, 2005)। भारत में भी**शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE, 2009)**तथा**राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP, 2020)**के माध्यम से समावेशी शिक्षा को सुदृढ़ किया गया है।

हालांकि, समावेशी शिक्षा को लागू करना एक जटिल प्रक्रिया है, जिसमें शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। शिक्षक को न केवल विविधता से भरी कक्षा को संभालना होता है, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी की व्यक्तिगत आवश्यकताओं को भी समझना और पूरा करना होता है। इसके साथ ही, तकनीकी विकास, संसाधनों की कमी, प्रशिक्षण का अभाव, और सामाजिक दृष्टिकोण जैसी कई चुनौतियाँ भी सामने आती हैं।

अतः यह आवश्यक है कि 21वीं सदी में समावेशी शिक्षा के संदर्भ में शिक्षक की चुनौतियों का गहन अध्ययन किया जाए और उनके समाधान के लिए प्रभावी रणनीतियाँ विकसित की जाएँ। यही इस अध्याय का मुख्य उद्देश्य है।

2. समावेशी शिक्षा की अवधारणा

समावेशी शिक्षा का अर्थ है - ऐसी शिक्षा प्रणाली जिसमें सभी प्रकार के विद्यार्थी, चाहे वे सामान्य हों या विशेष आवश्यकता(Children With Special Needs – CWSN) वाले,